नारीलोक
नवंबर 2025 अंक 328

अध्यक्षीय कार्यालय
SUMAN NAHATA
G-67, Kirti Nagar, New Delhi, 110015
Mob no: 9818854120
Email: sumannahata67@gmail.com

अध्यक्षीय टंकार

सम्माननीय बहनों !

दुनिया का विलक्षण महिला संगठन। पांच सौ पच्चीस शाखाएं एवं लगभग साठ हजार केसरिया परिधान में महिला सदस्याएं। ऐसे अनुशासित, संगठित एवं सशक्त महिला संगठन के अध्यक्षीय दायित्व को ओढ़ना जहां सौभाग्यपूर्ण है, वहीं चुनौतीपूर्ण भी है लेकिन मन का विश्वास एवं गुरुओं का आशीर्वाद एक ताकत बनकर खड़ा है। मेरे जीवन के इस नये अध्याय की शुरुआत करते हुए आप सबसे रूबरू होना सुखद है। आनेवाले दो वर्षों में हमें संस्था को एक नई ऊंचाई पर ले जाना है। इसका अतीत गौरवपूर्ण रहा है और भविष्य अधिक उज्ज्वल प्रतीत होता है। क्योंकि इसके साथ सहस्त्रों हाथ है, अनेकों संकल्प है और विश्वास की श्रृंखला है। अतीत बहनों की कर्मजाशक्ति का साक्षी है तो आने वाला कल प्रतीक्षारत है नवसृजन का।

आरंभ हमेशा नया होता है, इसका आधार है उल्लास। नया होने के लिए, नया करने के लिए यह जरूरी है। उत्साह के साथ शुरु की गई शुरुआत अपने आप ही नयापन ले आती है। कली जब आंख खोलती है, तो उसके भीतर जो कई वलय दिखते हैं, वे नई हो जाने को तत्पर और खिल जाने को तैयार, पंखुड़ियां ही तो है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का नया सत्र और मेरा अध्यक्षीय कार्यकाल आंख खोलती कली ही तो है। मास मौसम के वलय खिलते जायेंगे और मंडल के नये-नये फूल आकार लेते जायेंगे।

बीज में से जब थोड़ा-सा प्रस्फुटन होता है, तब उस नन्हे अंकुरण को देखकर जो चमक आंखों में आती है, वह उस संभावना का स्वागत है, जो उसमें पौधे और पेड़ को देखती है। बीज में पेड़ समाया है, इस नूतन कृति को साक्षात देख पाने का उल्लास रखने वाला, बीज को प्रकृति की गोद में सौंपता है, ताकि नवसृजन हो सके। नया सत्रारंभ भी उसी संभावना से आंकठ सिक्त है। हौसले की जमीन में, उम्मीद के साथ बोया जीवन का हर दिन नवांकुर सी चमक दे सकता है।

पहला तिनका लाने वाली चिड़िया, निर्माण की नींव रख चुकी होती है। जिस प्रकार तिनका-तिनका जोड़कर आशियाना बनता है, कदम-दर-कदम बढ़कर मंज़िल पाई जाती है, उसी प्रकार संस्था के वर्ष-दर-वर्ष बढ़ते कदम उस उल्लास और नवीनता के प्रतीक हैं, जो हर पल एक नई ऊर्जा और एक नए आरंभ का अहसास कराते हैं। महिला मंडल एक किताब है- जिसकी हर गतिविधि, हर राह एक सबक है, एक संकल्प है। हर सबक ने दिया है निरंतर आगे बढ़ने का विश्वास और हर संकल्प ने दिया है कुछ नया करने का हौसला। इसलिए ठहरने से बेहतर है चला जाए, क्योंकि प्रगति की यही सतत यात्रा हमारे अस्तित्व का सार है। अनुगच्छतु प्रवाहम... चलो आगे बढ़ते चलो...। इस संकल्प यात्रा के लिए बहनों जितना विश्वास आप सबसे मिला, उतना ही सहयोग अपेक्षित है। वैसे प्रत्येक बहन का स्वर जुड़ा है तो यकीनन अहसास गहराता है कि आगे बढ़ो हम सब साथ है। यही साथ आने वाले दो वर्षों में संस्था को अमाप्य ऊंचाइयों पर ले जायेगी।

संस्था की यात्रा शुभ और श्रेयस्कर होने वाली है। क्योंकि इस यात्रा में तीर्थंकरों और तेरापंथ के यशस्वी आचार्यों की शक्ति हमारे साथ है। ज्योतिपुंज आचार्यप्रवर की जीवंत प्रेरणा, मातृ हृदया साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभाजी का मार्गदर्शन, श्रद्धेय मुख्य मुनिप्रवर, साध्वीवर्याजी एवं आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासन गौरव साध्वी श्री कल्पलता जी का तेज, ऊर्जा, प्रकाश हमारे साथ है। इन सबके सूरजमयी उजालों के बीच मैं निश्चित ही अपनी मंजिल का एवं नवनिर्माण की दिशा व संकल्प का स्मरण रखूंगी। मैं इन सब दिव्य एवं अलौकिक शक्तियों को नमन करती हूँ, महिला मंडल के जीवन की पगडंडियों पर रखे यह ऐसे दीप हैं जो निरंतर हमें

असतो मा सदगमय... असत् से सत् की दिशा में,
तमसो मा ज्योतिर्गमय... अंधकार से प्रकाश की ओर,
मृत्युर्माअमृतम गमय... मृत्यु से अमरत्व की ओर अग्रसर करेंगे।

संस्था, शाखाओं और महिला सदस्याओं के फौलादी जज्बों, भक्ति एवं आस्था के बल पर निश्चित ही कुछ बड़ा करना है, कुछ अनूठा करना है। दायित्व-आरोहण की चौखट पर खड़ी होकर, मैं महिला मंडल के माध्यम से देश, संघ, समाज एवं महिलाओं के हित में, आचार्य श्री तुलसी के शब्दों में "शुभ भविष्य हमारे सामने है" का उद्घोष करते हुए यह कामना करती हूँ कि आचार्यप्रवर के सान्निध्य में हमारी संस्था कामधेनु और कल्पवृक्ष की भाँति फलती-फूलती रहे। और ऐसा ही होगा, यही मेरा अटूट विश्वास है।

स्नेहाकांक्षी
सुमन नाहटा

उषा

भिक्षुगाथा

आग्रहमुक्त और आग्रहयुक्तः आचार्य भिक्षु एक ऐसा व्यक्तित्व, जिसमें आग्रहमुक्ति की निष्पक्षता और आग्रह की दृढ़ता का अद्भुत संगम दिखाई देता है।

सत्य के अन्वेषक के रूप में वे पूर्वाग्रहों से एकदम मुक्त थे। उन्होंने कभी विचारों की जंजीरों में अपने मन को बाँधने नहीं दिया। वे जानते थे जिस शोधकर्ता के मन में पूर्वाग्रह हो, वह सत्य तक कभी नहीं पहुँच सकता। इसी कारण, जब सत्य और परंपरा में टकराव हुआ, तो उन्होंने सत्य का पक्ष लिया चाहे इसके लिए उन्हें अपने गुरु से मतभेद ही क्यों न सहने पड़े।

अपने पूर्व संघ में उच्च सम्मान और प्रतिष्ठा के बावजूद, सत्य की पुकार ने उन्हें नया मार्ग चुनने का साहस दिया। उन्होंने शास्त्रों के प्रत्येक सिद्धांत का गहन और निर्भीक विश्लेषण किया। जो बात उन्हें सत्य प्रतीत हुई, उसे उन्होंने पूरे हृदय से स्वीकार किया और जो असत्य लगी, उससे निडर होकर विमुख हो गए।

परंतु एक बार जो सत्य उन्हें अनुभव हुआ, उस पर चलने का उनका आग्रह अटूट था। उन्होंने सुविधा, पद, प्रतिष्ठा सब कुछ त्याग दिया, पर सत्य से समझौता नहीं किया। सत्य–साधना के पथ पर उन्हें अपमान, विरोध, और तूफानों का सामना करना पड़ा, किंतु वे डिगे नहीं। उन्होंने सिद्ध कर दिया कि सत्य के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति अकेला नहीं होता सत्य स्वयं उसका साथी बन जाता है।

आचार्य भिक्षु कभी लकीर के फकीर नहीं रहे। वे परंपरा के साथ–साथ विवेक, तर्क और संवाद को भी समान महत्व देते थे। उनका चिंतन मुक्त था, परंतु निराधार नहीं वह भगवान महावीर के वचनों में अटूट आस्था की भूमि पर खड़ा था।

यही था भिक्षुत्व का तेज अनाग्रही मन, पर सत्य के प्रति अडिग समर्पण।

उनका जीवन हमें सिखाता है कि सत्य से बड़ा कोई गुरु नहीं, और साहस से बड़ा कोई साधन नहीं।

आचार्य श्री महाश्रमण जी वाणी

कलात्मक जीवन किसे कहा जाए, इस सन्दर्भ में अनेक परिभाषाएं दी जा सकती हैं। जो जीवन धर्म और कौशल से अनुप्राणित होता है, वही कलात्मक होता है। आदमी अनेक विषयों का ज्ञान करता है। वह अनेक कलाओं में दक्ष बनने का प्रयास करता है। प्राचीन साहित्य में पुरुषों के लिए शिक्षणीय बहत्तर कलाओं और स्त्रियों के सीखने के लिए चौसठ कलाओं का उल्लेख प्राप्त होता है। एक व्यक्ति बहत्तर कलाओं में निष्णात बन जाता है किन्तु जीवन जीने की कला (धर्म की कला) को नहीं सीखता है तो मानना चाहिए उसने कुछ भी नहीं सीखा। आचार्य तुलसी की कृति 'व्यवहार बोध' में बताया गया है–

सभी कलाएं हैं विकलाएं, पंडित सभी अपंडित हैं।
नहीं जानते कैसे जीना, केवल महिमा मंडित हैं।।

- साभारः आओ जीना सीखें

प्रमुखा श्री जी संदेश

शुभांशसा! अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की नई टीम, नए इरादों के साथ नई उड़ान भरने के लिए तत्पर है। महिलाओं में विकास की बहुत संभावनाएँ हैं और वे शिखर पर आरोहण कर सकती हैं, बशर्ते वे सही दिशा में गतिशील हों।

वर्तमान अध्यक्ष इस सोच के साथ आगे बढ़ें कि मुझे मंडल के विकास के लिए खपना है, उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए तपना है। समय, शक्ति और श्रम के सम्यक् नियोजन से मंडल का उत्कर्ष होगा। साथ ही यह चिंतन भी रहे कि मुझे पूर्ववर्ती अध्यक्षाओं द्वारा खींची गई लकीरों को बड़ा करने का विनम्र प्रयास करना है।नई टीम का यह चिंतन रहे कि, संस्था का कोई भी कार्य हो, वह result oriented हो, परिणामदर्शी हो। नेतृत्व परिवर्तन के साथ लक्ष्य नहीं बदलते, अपितु मंडल के सदस्य दृढ़ गति से विकास के अवसर तलाशते हैं।

नव–निर्वाचित अध्यक्षा अपनी नई टीम के साथ परम पूज्य आचार्य महाश्रमण जी के नेतृत्व में विकास के सोपान पर आरोहण करते हुए शिखर तक पहुँचने का प्रयास करें।

साध्वी प्रमुखा विश्रुतविभा

।। अर्हम् ।।

चीफ ट्रस्टी की कलम से

जिनका स्मरण करते ही आत्मा भीतर तक आंदोलित हो जाती है, ऐसे क्रांतिकारी आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु को नमन करते हुए मैं अपने मन की बात आप सभी बहनों से करना चाहती हूँ।

बहनों, हम सब बहुत सौभाग्यशाली हैं कि तीर्थंकर तुल्य महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमण जी हम सबकी आस्था के आस्थान हैं। सरस्वती स्वरूपा, श्रुतसाधिका, अंतरमुखी साध्वी प्रमुखा श्री विश्रुतविभा जी हम सबकी आदर्श, प्रेरणापुंज एवं पथदर्शक हैं। विनय, समर्पण और आस्था की त्रिपुटी से सुशोभित आदरणीय मुख्य मुनिवर एवं साध्वीवर्या संबुद्ध यशाजी हम सबके प्रेरणा स्तोत्र हैं।

आचार्य श्री महाश्रमण जी के मुखारविंद से निकले ये शब्द कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, त्वरा के साथ काम कर रहा है, राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमन जी नाहटा एवं पूरी टीम के जोश और जज़्बे का बयान कर रहा है।

साध्वी प्रमुखाश्री ने अधिवेशनों के पचासवें वर्ष की संपन्नता पर एक छलांग लगाने का निर्देश दिया। लगता है कि दोनों ही सिद्ध विभूतियों के वचन फल रहे हैं।

समय के साथ कदम मिलाते हुए, इस संस्था को संस्कार, स्वावलंबन, शिक्षा, सेवा, मीडिया और महिला शक्ति को एकजुट करते हुए तत्परता और गति के साथ आगे बढ़ना है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मंत्री को ढेर सारी शुभकामनाओं के साथ यह प्रेरणा देना चाहूँगी कि आप बड़ा विजन रखकर इस संस्था को शिखर पर चढ़ाएँ।

मैं इस संस्था के साथ जुड़कर स्वयं को हमेशा गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ।

आपकी कर्मठता, संस्था की उर्ध्वगामिता सदैव बनी रहे। इन्हीं भावों के साथ,

कनक बरमेचा
(चीफ ट्रस्टी)

महामंत्री के हृदयोद्गार

संगठन की आन बान व शान में चार चाँद लगानेवाली मेरी अग्रजा व अनुजा बहिनों!

"गुरु कृपा के उजियाले में रास्ते रोशन बनाए।
आओ मिलकर हम लिखेंगे, गुरु शक्ति से नव्य ऋचाएं।"

मन के गलियारों में जुनून व जज्बातों का जोश जगाने के लिए हमें मिला है भैक्षवशासन, ज्योतिचरण गुरु महाश्रमणजी की अमृत्तोपम शरण और मिला ममता की मंदाकिनी साध्वी प्रमुखा श्री विश्रुत विभाजी का वरद् हस्त!

संगठन सेवा का प्रतीक है - समर्पण, एकता और सकारात्मकता इसका आधार है। सकारात्मक रहें नवसृजन पर, नव नेतृत्व पर, नव कर्तृत्व पर। नया कार्यकाल एक नई यात्रा की शुरुआत है। यह समय है अपने अनुभवों को निखारने, नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने और संगठन की मर्यादा व मूल्यों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का। संघ की श्री वृद्धि, मंडल की समृद्धि व आत्म गुणों की अभिवृद्धि के लिए स्वयं की सोच, श्रम, समय व शक्ति को समायोजित करने का यह स्वर्णिम अवसर हे।

संगठन के इस अग्रिम सफर को नव्यता व भव्यता प्रदान करने के लिए, कदम दर कदम साथ चलने के लिए हम तो कटिबद्ध है ही लेकिन आप सबका साथ, आपका विश्वास, आपका श्रम, आपकी क्षमताएं ही मंजिल की दिशा में Milestone है।

केसरिया शक्ति की अनुगुंज पूरे विश्व में अनुगुंजित हो, यही शुभकामना, मंगल कामना।

रचना हिरण
(महामंत्री)

धर्मे स्थितिः, सेवायाः प्रतिबद्धता

आदर्श परिवार योजना

- **अंकुरम** — गर्भस्थ शिशु संस्कार परियोजना
- **परवरिश** — संस्कारयुक्त पालन-पोषण का प्रशिक्षण
- **हमसफ़र** — दाम्पत्य की प्रयोगशाला
- **संवाद** — रिश्तों की बुनियाद (अहिंसक संवाद का प्रशिक्षण)
- **बाग़बान** — पारिवारिक सेवा के प्रकल्प का आधुनिक प्रसंस्करण

सक्षम नारी विकसित समाज योजना

- घरेलू व्यवसाय का प्रचार-प्रसार — **श्री उत्सव**
- महिलाओं के कौशल विकास का अभिनव आयाम — **रचना**
- तेरापंथी महिलाओं का अपना AMAZON — **कल्पतरू**
- जैन cuisine को प्रमोट करने का उपक्रम — **कामधेनु**
- वैश्विक स्तर पर महिलाओं के साथ भागीदारी — **अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस**

समृद्ध राष्ट्र योजना

- **सृजन** — सार्वजनिक क्षेत्रों के विकास में भागीदारी
- **आरोग्यम्** — योग, ध्यान, आयुर्वेद, सम्यक संपोषण, घरेलू इलाज आदि का प्रशिक्षण
- **निरामय** — महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित जांच (check-up)
- **रोहिणी** — रोहिणी कार्यालय का विस्तार
- **प्रबुद्ध** — महिलाओं का अपना Reading Club

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना

- जैन तात्त्विक-शिक्षा पर आधारित 6 वर्षीय पाठ्यक्रम — **तत्त्व-ज्ञान**
- तेरापंथ के इतिहास, साहित्य और दर्शन पर आधारित 5 वर्षीय पाठ्यक्रम — **तेरापंथ दर्शन**
- जैन तत्त्व ज्ञान पर आधारित 3 वर्षीय विशिष्ट पाठ्यक्रम — **तत्त्व विज्ञ**
- जैन प्रचारकों के लिए 3 वर्षीय प्रशिक्षण कार्यक्रम — **जैन स्कॉलर**
- SEP (Spiritual Enhancement Program) Designed to improve spiritual understanding and practice. — **SEP**

घर व्यवसाय और अध्यात्म का संतुलन	HOME HARMONY
मेरी कहानी, मेरे शब्दों में एक ऐसा अवसर, जहाँ हर कोई अपने खास संस्मरणों को खुलकर व्यक्त कर सके	OPEN MIC
अपने सोए हुए सपनों को पहचानने और उन्हें फिर से यथार्थ के धरातल पर लाने का एक प्रेरक प्रयास	LET'S DREAM AGAIN
युवा महिलाओं का संवाद मंच जहाँ विचारों का आदान-प्रदान, आत्मीयता और सहयोग का अनुभव एक साथ मिलता है	SAKHI SUMMIT
टेक्नोलॉजी के माध्यम से पाक-कला और घरेलू प्रबंधन गुर सिखाने का एक आधुनिक प्रयास	SMART COOKING & MANAGEMENT

E-SHAKTI	बेटियों के लिए डिजिटल सशक्तिकरण का मंच
UPANISAD	वृद्धजनों से घर-घर जाकर संवाद कर जैन धर्म की शिक्षाओं और अनुभवों को जानने-समझने का प्रयास
LIFESTYLE LAB	संस्कार, शिष्टाचार और सफलता की प्रयोगशाला
JAINISM IN GEN-Z	नई पीढ़ी को जैन जीवन मूल्यों से जोड़ने की पहल
SMART KITCHEN	आधुनिक तकनीक से भरपूर, स्वादिस्ट एवं सेहतमंद रसोई का संगम

क्षेत्रों की सार-संभाल	SANGATHAN YATRA
13 से कम परिवार वाले क्षेत्रों की महिलाओं का संगठन से जुड़ाव	DIGITAL MAHILA MANDAL
सदस्यता अभियान	PRAVAH
लीडरशिप, संस्था संचालन, मीटिंग प्रबंधन	KARNADHAR
सभी सदस्यों को महिला मण्डल के संविधान की जानकारी	SAMVIDHAN

हमारा संगठन-हमारा पर्याय

शाखा मंडलों हेतु आवश्यक निर्देश

1. कन्याएँ एवं महिलाएँ जब भी चारित्र आत्माओं के दर्शनार्थ जाएँ, तो दुपट्टा लगाना अनिवार्य है। सभी शाखा मंडल भवन में दुपट्टे (महिला मंडल यूनिफॉर्म जैसा) रखें।
2. मंडल के तत्वावधान में टैलेंट शो, फैशन शो, गेम, डांस शो, जुम्बा, रेकी आदि कार्यक्रमों के आयोजन न करें।
3. मंडल के कार्यक्रमों में जमीकंद का पूर्णतया निषेध है। भोजन में 13 द्रव्यों की सीमा निर्धारित है।
4. अखिल भारतीय पदाधिकारी यदि आपके क्षेत्र में आएँ, तो दो बहनों से अधिक लेने न जाएँ तथा एयरपोर्ट या रेलवे स्टेशन पर सम्मान न किया जाए।
5. महिला मंडल गणवेश केवल संघीय कार्यक्रमों एवं महिला मंडल के बैनर के अंतर्गत आने वाले कार्यक्रमों में ही पहना जाए।
6. प्रत्येक शाखा मंडल वर्ष में एक बार गुरु-दर्शन का लक्ष्य रखें।
7. शनिवार की सामायिक यथासंभव करने का प्रयास करें।
8. चारित्र आत्माओं के समक्ष खुले मुँह बात न करें।
9. चारित्र आत्माओं के रास्ते की सेवा में बहनें जागरूकता के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें।
10. सोशल मीडिया का उपयोग विवेकपूर्ण हो।
11. किसी भी सामाजिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम में अर्थ का समुचित उपयोग हो, आडंबर कम हो।
12. मंडल द्वारा दिए गए कार्यों का ही मूल्यांकन होगा तथा वो ही रिपोर्ट भेजी जाए।
13. मंडल अपने क्षेत्र में विराजित चारित्र आत्माओं को नारीलोक भेंट करें।

◆ महिला मंडल - करणीय कार्य ◆

1. अर्हत् वन्दनाः घर-घर भक्ति की ज्योत

आचार्य तुलसी द्वारा प्रारंभ किया गया अर्हत् वंदना का क्रम केवल एक उपासना नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत एक साधना है– जो आत्मा को समर्पण की गहराइयों तक ले जाती है। इसमें भगवान महावीर की वाणी के अमृत अंश हैं और "भावभीनी वंदना" जैसे गीत आत्मा में श्रद्धा की तरंग उत्पन्न करते हैं।

इस माह तेरापंथ महिला मंडल का संकल्प है, हर घर बने अर्हत् वंदना का केन्द्र! प्रत्येक परिवार सायं 7 से 10 बजे के बीच अपनी सुविधानुसार सप्ताह में दो बार समय निकालकर सपरिवार अर्हत् वंदना करें। आपका ये क्षण औरों की प्रेरणा बने इस हेतु सामूहिक रूप से अर्हत् वन्दना करते हुए की 40-50 Second की Reel बनाएं। Reel के मुख्य पेज पर सामूहिक अर्हत् वंदना लिखे और परिवार की फोटो लगाएं। यह Reel 25 नवंबर 2025 तक संयोजिका को पहुंचाएं।

आयोजन क्रम

- नवकार जप – 5 मिनट
- ॐ भिक्षु जप – 5 मिनट
- अर्हत् वंदना – 15 मिनट
- विघ्न हरण जप – 5 मिनट

जहां अर्हत् वंदना की ध्वनि गूंजती है, वहां से विघ्न मिटते हैं और शांति का प्रकाश फैलता है।

संयोजिका
मधु कटारीया - सह मंत्री
(9980443204)

2. सदस्यता अभियान

2025 में जो शाखा मंडल अपने क्षेत्र की सभी तेरापंथ महिला शक्ति को अपने शाखा की सदस्या बनाने में सफल हो जायेगी वो सशक्त, सक्रिय, जागरूक, संगठित महिला शाखा के रूप में नारी लोक के प्रमुख पृष्ठ में मुखरित होती हुई नजर आयेगी। बहनों जागो, उठो, Members बनाओ, ऑफर और उपहार दोनों आपके दरवाजे पर टकटकी लगाए तैयार खड़े हैं।

संयोजिका
श्रीमती निधि सेखानी - संगठन मंत्री
(9879633133)

3. अंकुरम

क्या आपने कभी सोचा है - हमारे बच्चों में संस्कार विकसित होना कब से शुरु होता है ? उन्हें संस्कारित करने की सही उम्र क्या है ?
तो आपके इन प्रश्नों का उत्तर है- गर्भ से ही। गर्भ में पलती हर आत्मा अपने चारों और की हर तरंग, हर विचार और हर भावना को ग्रहण करती है।
महाभारत के अभिमन्यु इस तथ्य के सटीक उदाहरण है। उन्होंने चक्रव्यूह में प्रवेश का ज्ञान तो गर्भ में प्राप्त कर लिया परंतु बाहर निकलने का रहस्य नहीं सुन सके क्योंकि माता सुभद्रा को नींद आने के कारण शेष संवाद सुन नही पाये। भारतीय संस्कृति की यह विरल घटना हमें बताती है कि गर्भ के भीतर की आत्म सजग और संवेदनशील होती है। आज की पीढी के अधिकांश बच्चे भावनात्मक रूप से कमजोर होते जा रहे हैं, क्योंकि हमारा ध्यान मुख्यतः शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित है, जबकि आवश्यकता है- शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के समन्वित संतुलित दृष्टिकोण की।
आओ, जानें कि क्यों, कितना और किस लिए गर्भ संस्कार आवश्यक है और कैसे आने वाली पीढ़ी को हर दृष्टि से सक्षम और strong बना सकते हैं, 15 और 30 नवंबर को अ.भा. ते.म.मं. द्वारा विशिष्ट प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में Zoom पर चलाए जा रहे इस पवित्र अभियान का हिस्सा बनकर।

संयोजिका
श्रीमती अदिति सेखानी
(9909024763)

4. "श्रद्धा"

- विराट महिला सम्मेलन

ज्ञान का दीप जले, विचारों के फूल खिलें,
चिंतन और मंथन से, जीवन को नई दिशा मिलें।

बहनों आप सब का साथ और संगठित हाथ जब एक साथ उठते है तो प्रतीत होता होता है मानो भुजाएं नव संकल्प लेकर कुछ करने को लालायित है।

20 सितंबर अहमदाबाद में प्रथम मिलन और इसके पश्चात होने वाली वर्चुअल बैठक- शाखा संवाद में आप सभी से मिलने का अवसर मिला। अल्प समय का यह संग ऐसा लगता है मानो एक मजबूत अटूट बंधन हो। नव संकल्प और नए लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए पुरुषार्थ के प्रतीक आचार्य भिक्षु के समाधि स्थल सिरियारी में 17 और 18 दिसम्बर 2025 को हम पुनः मिलने जा रहे हैं।

आओ सब मिल आचार्य भिक्षु की त्रिशताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर अपने आराध्य के प्रति संपूर्ण महिला शक्ति अर्पित करें 'श्रद्धा-भक्ति'। और फिर लेने चलेंगे वर्तमान गुरु से ऊर्जा और शक्ति।

आयोजित कार्यक्रम

भिक्षु गीत (Zonal संयोजिका से प्राप्त होगा), (सुर और ऊंचे स्वर में Zonal Competition)

भिक्षुमिजियोरामां (आचार्य भिक्षु जीवन झांकी)

भिक्षु संगीत संध्या (विशेष गायकों द्वारा)

भिक्षु की ज्योत जले अंतर्मन में (प्रशिक्षण- Motivation)

भिक्षु स्लोगन प्रतियोगिता (2 Lines- A 4 Sheet)

संगठन का संगीत- कार्यक्रमों की धुन (A.B.T.M.M.)

भिक्खू स्याम, भिक्खू श्याम - जपे सुबह शाम (जप अनुष्ठान उत्तम समय रात्री 11 से 12 बजे))

सम्मेलन हेतु कुछ विशेष जानकारी:

1. 17 दिसंबर को दोपहर 12.30 बजे से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। समापन 18 दिसंबर दोपहर 12.30 बजे होगा।
2. ऑनलाइन पंजीकरण 25 नवंबर 2025 तक किया जाएगा। केवल ऑनलाइन पंजीकरण की ही व्यवस्था है।
3. रजिस्ट्रेशन शुल्क 700/- प्रति सदस्य रखा गया है।
4. गणवेश, आसन, माला, मुखवस्त्रिका, ओढ़ने–बिछाने के चादर साथ लाएं।
5. आवास सीमित है, सुविधायें कम अतः व्यवस्थाओं में सहयोग की मानसिकता रखें।
6. रजिस्ट्रेशन सीमित है, इसलिए अति शीघ्र नीचे दिए नंबर पर Call या Message करके अपना स्थान आरक्षित करें।
7. जल बचाओ अभियान से जुड़कर 18 तारीख को नहाने का त्याग करें।

संयोजिका

श्रीमती समृद्धी बोकाड़िया (9029055220)

श्रीमती अल्का बैद (9352774011)

श्रीमती विनीता बैंगाणी (9928695035)

सह संयोजिका

श्रीमती रीतु गधैया - (9829265097)

◆ युवती विभाग - करणीय कार्य ◆

1. SAKHI SUMIT – उड़ान संस्कारों की

अ.भा.ते.म.मं स्वागत का थाल लिए, अपनी दहलीज पर खड़े होकर मिलने का इंतजार कर रही है, उन युवा साथियों का, जो अपने पूर्वजों की विरासत को सहेजकर, अपनी परंपरा को संजोकर आने वाली पीढी के लिए उजली नींव रखना चाहती हैं।

45 वर्ष से कम आयु वर्ग की महिलाओं के लिए "तेरापंथ युवती संगठन" की शुरुआत एक नये उत्साह और स्वरूप के साथ कर, तेरापंथ महिला मंडल जल्द ही युवा बहनों की धड़कन से जुड़ने जा रहा है।

★ इस महीने, आसपास रहने वाली 10-15 युवतियों का एक समूह कॉलोनी स्तर पर किसी के ड्राइंग रूम में बैठक करें।

★ इस मीटिंग में, घर के स्नेहिल वातावरण में नई पीढ़ी की तेरापंथ युवतियाँ मिलेंगी, जुड़ेंगी और एक नये संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगी।

विशेष कार्यक्रम बिंदु:

आइए, हम साथ मिलकर आगे बढ़ें और सफलता प्राप्त करें, **Let's Grow Together and Achieve Success.**

Sakhi Sumit के दौरान होगी ये रोचक गतिविधियाँ-

ॐ भिक्षु जप से दिव्यता का संचार: कार्यक्रम की शुरुआत भिक्षु जाप से करें (5 मिनट)

Open Mic: क्या डिग्री से मिलती है हर डगर? खुली चर्चा (15 मिनट)

दिलों का सेतु: आपसी परिचय, एक-दूसरे को गहराई से जानने का अवसर (15 मिनट)

Ice Breaker Activity: नए मित्र बनाएं - हँसी, खेल और संवाद के माध्यम से (10 मिनट)

- आप कोई गेम रख सकते हैं,
- कोई प्रिय गीत गा सकती हैं
- या अपनी creativity present कर सकते हैं।

यह आयोजन सिर्फ एक बैठक नहीं है- यह भावनाओं, परंपराओं और भविष्य के संगम की शुरुआत है।

निष्कर्ष:

आइए, बनें सखी - और मिलकर लिखें तेरापंथ के उज्जवल भविष्य की कहानी।

सूचना:

रील तैयार करें - 30 सेकंड से 1 मिनट की वीडियो रील बनायें और जोनल संयोजिका को **WhatsApp** पर **25 नवंबर 2025** तक भेजें।
सम्पर्क सूत्र: **9007911111 / 9928695035**

2. चित्र - चिंतन

https://forms.gle/vTMe1KX1M5r5AXCd6

हर चित्र अपने भीतर एक मौन कहानी समेटे होता है कभी वह हृदय की कोमल भावनाओं को जगाता है,तो कभी जीवन के गहन अर्थों को उजागर करता है। "चित्रचिन्तन" उसी मौन कथा को सुनने और महसूस करने का प्रयास है।

इस प्रतियोगिता में एक चित्र आपको मिलेगा,
जो बोलेगा नहीं – पर बहुत कुछ कह जाएगा।

आपका कार्य है उस चित्र की नि:शब्द भाषा को सुनना,और अपनी कविता के माध्यम से उसे अभिव्यक्ति देना।

सूचना:

अपने मन में उमड़ती भावनाओं को 8-10 पंक्तियों में ढालिए, और अपनी रचना हमें भेजिए– 25 नवंबर 2025 से पहले श्रीमती शिल्पा बैद - 9811331163 को।

आरोहण

◆ *By the girls, for the spirit within* ◆

प्यारी बेटियों,

सस्नेह जय जिनेंद्र ! राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुमन जी नाहटा के नेतृत्व में नए उत्साह, नए जज्बे और नूतन संकल्पों के साथ हम एक नई विकास यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं।

हमें अभी रुकना नहीं है, थकना नहीं है अपितु पूर्ण उत्साह और उमंग के साथ स्वयं को गतिमान रखना है। मेरी प्यारी बेटियों, आने वाला शुभ भविष्य आपका ही है। आपको प्रवृत्ति और परिणाम दोनों पर दृष्टि रखते हुए गतिशील रहना है। परम पूज्य गुरुदेव की असीम कृपा आशीर्वाद और साध्वी प्रमुखा श्री जी की ममतामई छत्रछाया में हमारी बेटियां विकास के शिखर पर आरुढ़ होगी ऐसा विश्वास ही नहीं, पूर्ण यकीन है ।

कन्या मंडल संयोजिका
श्रीमती हेमा चौरडिया
(9810281155)

कन्या मंडल सह संयोजिका
श्रीमती जयश्री जोगड
(9028284801)

◆ कन्या मंडल – करणीय कार्य ◆

1. कन्या सदस्यता अभियान (Membership Drive)

तेरापंथ की सभी कन्याओं को अपने-अपने क्षेत्र के कन्या मंडल की सदस्य बनना है। चाहे बेटियां पढ़ाई या जॉब के कारण बाहर रह रही हो उन्हें भी सदस्य बनना है।

2. उपनिषद- पीढ़ियो को जोड़ने की पहल...

रिश्तो को सहेजना और संजोना हमारा फर्ज है और दायित्व भी।
उपनिषद से जुड़ेगी हमारी आज की नई पीढ़ी और पुरानी अनुभवी पीढ़ी ।

रुपरेखाः

- ★ प्रत्येक क्षेत्र की कन्याओं की संख्या के अनुसार, उनके तीन- चार कन्याओं के ग्रुप बनाए जाएंगे ।
- ★ जूम मीटिंग के द्वारा इन कन्याओं को अ.भा.ते.म.मं. द्वारा संवाद, कला, सेवा भावना और सामाजिक संवेदनशीलता पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- ★ प्रशिक्षण के बाद कन्याएं अपने क्षेत्र के दादा-दादी के पास जाएें जो उम्र, स्वास्थ्य आदि कारणों से समाज की धार्मिक गतिविधियों में शामिल नहीं हो पाते हैं।
- ★ उनके साथ आत्मीय संवाद स्थापित करके बेटियां उन्हें समाज की गतिविधियों से जोड़े और विज्ञप्ति में प्रकाशित गुरुदेव के संदेशों और समाचारों से अवगत करवाए।
- ★ सौंदर्य और आनंद का स्पर्श देने हेतुः
  - दादा जी के साथ मधुर गीत या प्रेरक प्रसंग साझा करें।
  - दादी जी को मेहंदी आदि लगाने जैसी रचनात्मक गतिविधियाँ करें।

जहां आज भाग दौड़ भरी जिंदगी में हम सब व्यस्त हैं और घर के बुजुर्गों को सिर्फ अपने बच्चों का समय चाहिए, वहां उपनिषद रिश्तो की मिठास को बढ़ाएगा। बुजुर्गों का अनुभव आज की पीढ़ी के लिए पथ दीप बनेगा। After all OLD IS GOLD.

कन्यायें बुर्जुगों के संग बिताए यादगार लम्हों की अधिकतम 1 मिनट की Reel बनाकर Zonal Convenor को 25 नवंबर 2025 तक भेजें।

Zonal Convenors

East Zone - Mrs. Sonika Parekh - 6002068697
North Zone - Mrs. Komal Bothra - 8650002201
West Zone - Mrs. Rachna Hiran (D) - 9909409783
South Zone - Mrs. Ruchika Patawari - 9743206621
Central Zone - Mrs. Neetu Gujrani - 9129125019

संवाद सेवा का, समर्पण का, संगठित नारी शक्ति का

"अंकुरम - गर्भ में शिशु संस्कार" कार्यक्रम का शुभारंभ

परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी के मंगल मार्गदर्शन और गुरु-आशीष की छत्रछाया में 29 सितम्बर 2025 को प्रेक्षा विश्व भारती, कोबा में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा "अंकुरम- गर्भ में शिशु संस्कार" कार्यक्रम का शानदार आगाज।

गुरुदेव ने फरमाया- "मैंने कल्पना भी नहीं की थी कि मेरी कल्पना का प्रारुप इतनी शीघ्रता से मेरे समक्ष प्रस्तुत हो जाएगा। शिशु में संस्कार देने का सर्वश्रेष्ठ समय गर्भावस्था ही होता है। इसी काल में तेजस्वी, संतुलित व महान व्यक्तित्व का निर्माण संभव है। प्रेक्षा ध्यान और आध्यात्मिक पाठ के माध्यम से माँ और बच्चे दोनों को लाभ पहुँचे- इस दिशा में अधिक कार्य होना चाहिए।"

श्रद्धेया साध्वी प्रमुखा श्री विश्रुतविभा जी ने माता धारिणी का उदाहरण देते हुए गर्भस्थ शिशु में श्रेष्ठ संस्कार अंकुरित करने की महत्ता पर बल दिया।

इस अवसर पर "अंकुरम" की रूपरेखा गुरुदेव को अर्पित की गई।

इस महनीय अवसर पर प्रधान ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा, महामंत्री श्रीमती रचना हिरण, अभातेममं कार्यसमिति सदस्य, विभिन्न संस्थाओं के मान्यवर पदाधिकारी एवं तेरापंथ महिला मंडल अहमदाबाद की बहनों ने विशेष उपस्थिति दर्ज कराकर इस आध्यात्मिक अभियान को गरिमा प्रदान की।

प्रथम वर्चुअल आयोजन : नई सोच – नए प्रकल्प – नई उड़ान

27 सितम्बर 2025 को सत्र 2025-27 की प्रथम वर्चुअल संगोष्ठी Zoom प्लेटफॉर्म पर एक गरिमामय व प्रेरणादायी वातावरण में सम्पन्न हुई। देशभर से 1500+ बहनों की सहभागिता ने संगठन की निरंतर बढ़ती लोकप्रियता और प्रभाव को उजागर किया।

प्रधान ट्रस्टी श्रीमती कनक जी बरमेचा के प्रेरक संदेश के साथ इस आयोजन का शुभारंभ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को नव ऊर्जा और सकारात्मकता से आलोकित कर दिया। राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा ने आत्मीय स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और महामंत्री श्रीमती रचना हिरण ने पूरे सत्र का कुशल संचालन किया। कोषाध्यक्ष श्रीमती ममता रांका, संगठन मंत्री श्रीमती निधि सेखानी और प्रचार-प्रसार मंत्री श्रीमती वर्षा लूणिया ने अपनी सक्रिय भागीदारी से इस आयोजन को सफल बनाया।

सत्र का समापन अध्यक्षा सुमन नाहटा की प्रेरक पंक्तियों के साथ हुआ:

"धुन के पक्के, साथी जिस पथ पर चल पाए,
वही सच पूछो, मंज़िल को प्राप्त कर पाए।"

अखिल भारतीय तेरापंथ कन्या मंडल की प्रथम वर्चुअल मीट

अखिल भारतीय तेरापंथ कन्या मंडल की पहली वर्चुअल मीटिंग शनिवार, 18 अक्टूबर को दोपहर 3 से 4 बजे आयोजित हुई, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमनजी नाहटा ने कन्याओं को प्रेरक संबोधन दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि आगामी कार्यक्रम कन्याओं की रुचि और पसंद को ध्यान में रखकर ही तैयार किए जाएंगे। महामंत्री रचना हिरण नेमिसिंग बेटियों को आगामी कार्यक्रमों में जुड़ने की प्रेरणा दी।

बैठक में कन्या मंडल की संपूर्ण टीम का परिचय कराया गया तथा आगामी दो वर्षों के कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। दीपावली के पावन पर्व के महत्व को टीम ने संवाद नाटिका के माध्यम से सुंदर रूप में प्रस्तुत किया।

इस प्रेरक वर्चुअल कार्यक्रम में 400 से अधिक प्रतिभागी Zoom के माध्यम से तथा 1600 से अधिक दर्शक Facebook के माध्यम से जुड़े रहे।

नवान्हिक आध्यात्मिक अनुष्ठान

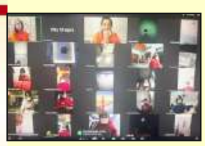

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आयोजित 9 दिवसीय नवान्हिक आध्यात्मिक अनुष्ठान (22 दिसंबर - 1 ऑक्टोबर, सुबह 5.30 - 6.30 बजे) सफलतापुर्वक संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 600 बहेनों की रोजाना सहभागिता रही।

विशेष धन्यवाद चीफ ट्रस्टी श्रीमती कनक जी बरमेचा, राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन जी नाहटा और अनुष्ठान को अद्वितीय साधना का स्वरुप देने वाले श्रीमती सूरज जी बर्डिया, श्रीमती सुषमा जी बैंगाणी तथा Zoom संचालन हेतु श्रीमती ऋतु जी चोपड़ा को।

समापन अवसर पर सुप्रसिद्ध गज़ल गायक श्री जितेंद्र सिंह जी के मा को समर्पित गज़ल और संघ गायिका श्रीमती मीनाक्षी भूतोड़िया जी ने आचार्य भिक्षु को समर्पित भक्ति गीत ने कार्यक्रम को और भी विशेष बनाया। आभार महामंत्री रचना हिरण ने किया।

संगठन यात्रा की झलकियाँ

अध्यक्षीय दायित्व ग्रहण करते ही नवमनोनित राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नहाटा ने समस्त सेवा केंद्रो में वयोवृद्ध चारित्र आत्माओं के दर्शन और आर्शिवाद प्राप्त कर प्रारंभ की अपनी संगठन यात्रा। विगत एक महिने में लगभग 198 चारित्र आत्माओं के दर्शन, सेवा का लाभ लिया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने लाडनूं में किए आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासन गौरव साध्वी कल्पलता जी के दर्शन

अ.भा.ते.म.मं. की नवमनोनीत राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा ने लाडनूं में आध्यात्मिक पर्यवेक्षक "शासन गौरव साध्वी कल्पलता जी" तथा चारित्र आत्माओं के दर्शन कर उनसे मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

अध्यक्षा ने साध्वी श्री को महिला मंडल के आगामी सत्र की योजनाओं का रोड मैप साध्वी श्री जी को भेंट किया तथा 50वें राष्ट्रीय महिला अधिवेशन एवं नवीन कार्यसमिति की जानकारी भी प्रदान की।

साध्वी श्री कल्पलता जी ने मंडल की कार्ययात्रा के लिए मंगलमय आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्रदान किया। इसके साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्षा ने बीदासर, लाडनू एवं छापर स्थित सेवा केंद्रों में साधु संतों और वयोवृद्ध साध्वियों का आशीर्वाद लेकर ऊर्जा और प्रेरणा प्राप्त की।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की नवमनोनीत राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा ने हरियाणा के क्षेत्र हिसार- हांसी- रोहतक में साधु - संतों से लिया मंगल आशीर्वाद एवं क्षेत्र की करी सार संभाल।

अ.भा.ते.म.मं. की नवमनोनीत राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा, ने हिसार में शासन श्री यशोधरा जी, साध्वी श्री शुभप्रभा जी एवं मुनि श्री रणजीत कुमार जी, हांसी में शासन श्री भाग्यवती जी, रोहतक में शासन श्री सुमनश्री जी, हिसार सेवा केंद्र में शासन श्री राजकुमारी जी एवं अन्य वयोवृद्ध सतियाँ एवं अन्य साधु- साध्वी वृंद के दर्शन कर उनसे मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया।

साथ ही साथ राष्ट्रीय अध्यक्षा ने हिसार, हांसी, रोहतक शाखा मंडल की बहनों को भी आगामी योजनाओं की जानकारी दी व नवयुवतियों को संस्था से जोड़ने के लिए ज़ोर दिया। महिला सदस्य अधिक से अधिक संख्या में बनने की प्रेरणा दी। आगामी संपूर्ण योजनाओ की जानकारी देते हुए संगठन को मजबूत बनाये रखने की प्रेरणा दी । इस दौरे में सह मन्त्री श्रीमती अर्चना भंडारी, श्रीमती सुनीता डूंगरवाल, श्रीमती रूबी बाफना भी उपस्थित रही।

असम में संगठन चेतना की गूंज

राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा के नेतृत्व में असम के छोटे गांवों की संगठन यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

गुवाहाटी में मुनि श्री ज्ञानेंद्र कुमार जी एवं रमेश मुनि के दर्शन व मंगल आशीर्वाद लेते हुए नलबाड़ी में किया नए महिला मंडल का गठन, बरपेटा व बंगाइगांव उत्तर में संगठन चेतना जगाने वाली संगोष्ठियाँ का आयोजन किया।

महिला मंडल भवन की रजत जयंती उल्लास और एकता के संग मनाई गई। साथ ही "विश्वास- संघ, संस्था और संबंध"।

आंचलिक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 13 क्षेत्र सम्मिलित हुए ।

इस अवसर पर सुमन जी के साथ ABTMM कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती सुनीता गुजरानी, श्रीमती रंजू खटेड़ तथा श्रीमती सोनिका पारख की उपस्थिति रहीं ।

"विश्वास से जुड़ा संघ, सेवा से बना संबंध —यही है संगठन का सार।"

सिरियारी समाधि स्थल पर राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा द्वारा सामूहिक "ॐ भिक्षु" जप अनुष्ठान।

अ.भा.ते.म.मं. की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा अपनी टीम सहित सिरियारी पहुँचीं, जहाँ सीरियारी संघ ने बहुत ही उत्साह के साथ उनका स्वागत किया।

उन्होंने आचार्य श्री भिक्षु समाधि स्थल पर सामायिक एवं एक घंटे का सामूहिक जाप किया, व विराजित चारित्र आत्माओं के दर्शन कर गहन आध्यात्मिक आनंद का अनुभव किया।

इस अवसर पर महामंत्री श्रीमती रचना हिरण , कोषाध्यक्ष श्रीमती ममता रांका, श्रीमती रूबी, श्रीमती प्रीति घोषल, श्रीमती मिताली एवं श्रीमती रितु धोका एवं राजनगर, कांकरोली, आसिंद , आमेट , केलवा, सरदारगढ़, देवगढ़, उदयपुर आदि क्षेत्रों की लगभग 55 बहनें श्रद्धापूर्वक उपस्थित रहीं।

सिरियारी की भूमि भक्ति और साधना से आलोकित हो उठी।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की प्रेरक संगठन यात्रा – सुजानगढ़

आचार्य श्री मानकगणी जी की समाधि स्थली पर "ऊँ भिक्षु" जाप – श्रद्धा, साधना और शांति का दिव्य संगम।

राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा, निवर्तमान अध्यक्षा श्रीमती सरिता डागा, महामंत्री श्रीमती रचना हिरण, कोषाध्यक्ष श्रीमती ममता रांका, एवं कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती रूबी बाफना व श्रीमती समता भूतोड़िया ने सर्वप्रथम लाडनूं सेवा केन्द्र में शासन श्री साध्वी श्री सूरज कुमारी के दर्शन कर उनकी साधना–दीप्त जीवन–यात्रा से प्रेरणा प्राप्त की।

सुजानगढ़ की यात्रा का विशेष आकर्षण रहा - छठम आचार्य श्री माणकगणी जी के पवित्र समाधि स्थल पर "ऊँ भिक्षु" जाप का आयोजन।

इसके पश्चात सभी ने शासन श्री साध्वी श्री सुप्रभाजी आदि ठाणा -5 के दर्शन किए व मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

दोनों यात्राएँ श्रद्धा, साधना और संघ–निष्ठा का उज्ज्वल प्रतीक बनकर आत्मिक ऊर्जा का प्रेरक संदेश सिद्ध हुईं।

भीनासर क्षेत्र की प्रेरक यात्रा

अ.भा.ते.म.मं. की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा, महामंत्री श्रीमती रचना हिरण, कोषाध्यक्ष श्रीमती ममता रांका एवं कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती सुप्रिया राखेचा ने गंगाशहर और भीनासर क्षेत्र की सार्थक यात्रा संपन्न की।

भीनासर पहुँचकर साध्वी श्री जिनबाला जी के पावन दर्शन कर सेवा और आशीर्वाद का पुण्य लाभ प्राप्त किया। इसके पश्चात गंगाशहर स्थित आचार्य श्री तुलसी के समाधि स्थल "शांति निकेतन" पर जप एवं ध्यान साधना कर सभी ने आत्मशांति और आध्यात्मिक नवचेतना का अनुभव किया। साथ ही साथ, देशनोक में मुनि श्री अमृत कुमार जी के दर्शन-सेवा कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

यह यात्रा श्रद्धा, साधना और संगठन–संकल्प का सशक्त प्रतीक बनकर नूतन ऊर्जा से अभिभूत करने वाली सिद्ध हुई।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल शासन गौरव साध्वी श्री राजीमती जी के 75वें संयम दिवस पर दर्शन - नोखा

अ.भा.ते.म.मं.की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा, महामंत्री श्रीमती रचना हिरण सहित नोखा पहुँची।

सर्व प्रथम बहुश्रुत शासन गौरव साध्वी श्री राजीमती जी के चरणों में श्रद्धानत होकर उनके दीर्घ संयम साधना के प्रति मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

इसके पश्चात वे साध्वी श्री कानकंवर जी महाराज, जो तेरापंथ धर्मसंघ की वर्तमान की प्रथम दीक्षित साध्वी हैं, एवं सभी चारित्र आत्माओं के दर्शन कर प्रेरक आशीर्वचन प्राप्त किए।

नोखा की यह यात्रा श्रद्धा, संघनिष्ठा और आध्यात्मिकता का अनुपम संगम बन गई।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा ने किये दिल्ली में विराजित चारित्र आत्माओं के दर्शन।

अ.भा.ते.म.मं. की नवनिर्वाचित अध्यक्षा ने दिल्ली में विराजित साध्वी श्री सुव्रत जी, साध्वी श्री लब्धि प्रभा जी, साध्वी श्री रवि प्रभा जी, मुनि श्री उदित कुमार जी, साध्वी श्री कुंदन रेखा जी के दर्शन कर उनसे अपने आगामी कार्यकाल के लिए आशीष एवं मंगल उद्बोधन प्राप्त किया।

गंगाशहर, बीकानेर, उदासर क्षेत्र की प्रेरणास्पद संगठन यात्रा

अ.भा.ते.म.मं. की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा के नेतृत्व में महामंत्री श्रीमती रचना हिरण, कोषाध्यक्ष श्रीमती ममता रांका एवं कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती सुप्रिया राखेचा ने ने यात्रा का शुभारंभ उग्रविहारी तपोमूर्ति मुनिश्री कमल कुमार जी स्वामी, मुनिश्री श्रेयांश कुमार जी स्वामी आदि ठाणा 6 के पावन सानिध्य में सुबह 7:00 से 8:00 बजे तक ॐ भिक्षु के जप से किया।

तत्पश्चात सभी ने गंगा शहर सेवा केंद्र में विराजित वयोवृद्ध साध्वियों एवं बीकानेर व उदासर में विराजित चरित्रात्माओं के भी दर्शन प्राप्त कर सभी से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

यह संगठन यात्रा संघभाव, सेवाभाव और श्रद्धाभाव की पवित्र त्रिवेणी के रूप में राष्ट्रीय मंडल के कार्य को नवीन प्रेरणा एवं आध्यात्मिक ऊर्जा प्रधान करने वाली सिद्ध हुई।

देश-विदेश में 'ॐ भिक्षु' महाजप अनुष्ठान

(5 अक्टूबर से 18 अक्टूबर)

◆ पूज्यप्रवर की सन्निधि में जाप का आयोजन ◆

विशेष उपलब्धि

'ॐ भिक्षु महाजप अनुष्ठान' के 13वें दिन अहमदाबाद में आचार्य महाश्रमणजी द्वारा जप अनुष्ठान

509 चारित्रात्माओं की सन्निधि लगभग

विश्व के **20** देश

भारत के **25** राज्य

470 शाखा मंडल

47,270 सदस्य लगभग

14,66,64,450 जप

◆ चारित्र आत्माओं की सन्निधि ॐ भिक्षु महाजप अनुष्ठान ◆

◆ श्रावकों - श्राविकाओं द्वारा ॐ भिक्षु महाजप अनुष्ठान ◆

नवनिर्वाचित पदाधिकारी एवं कार्यकारीणी 2025-2027

Margdarshak	Smt Sushila Ji Patawari	New Delhi	9818098002	sushilaganga51@gmail.com
	Smt Tara Ji Surana	Kolkata	9874245503	taradevisurana@gmail.com
	Smt Prakash Devi Tated	Mumbai	9324055345	madanlaltater@gmail.com
	Smt Shanta Ji Pungaliya	Mumbai	9831414716	shantapugalia@gmail.com
	Smt Lata Ji Jain	Bangalore	9886035073	latajain2705@gmail.com
Sangrakshak	Smt Pushpa Ji Bengani	New Delhi	9311250290	pushpabengani@gmail.com
	Smt Sayer Ji Bengani	New Delhi	9818403318	sayarshree@yahoo.co.in
Panch Mandal	Smt Suraj Ji Bardia	Kolkata	9831143436	surajbardia317@gmail.com
	Smt Kalpana Ji Baid	Kolkata	9831046456	kalpana.prakash.baid@gmail.com
	Smt Kumud Ji Kacchara	Mumbai	9833237907	kumudkachhara@gmail.com
	Smt Vijaylaxmi Ji Bhura	Jaipur	8769167796	vijaylaxmibhura@gmail.com
	Smt Prabha Ji Godawat	Indore	9302101268	ghorawat.prabha@gmail.com
Chief Trustee	Smt Kanak Ji Bermecha	Surat	9328072984	kanakbarmecha@gmail.com
Trustee	Smt Jyoti Ji Jain	Kolkata	9339678262	jyoti@ttlimited.co.in
	Smt Sonali Ji Patawari	New Delhi	9818098012	sonaliklj@gmail.com
	Smt Ranju Ji Lunia	Shillong	9436103330	ranjulunia71@gmail.com
	Smt Neelam Ji Sethia	Salem	9952426060	neelamsethia@gmail.com
	Smt Madhu Ji Dugar	Kolkata	9831131111	madhudugar9@gmail.com
	Smt Vimla Ji Dugar	Jaipur	9314517737	bimladugar@hotmail.com
	Smt Manjula Ji Bhansali	New Delhi	7718850525	manjulajain06@gmail.com
	Smt Sarita Ji Sancheti	Ahemdabad	9327924972	saritasancheti@yahoo.co.in
Advisory	Smt Prabha Ji Maloo	New Delhi	9810117160	prabhamaloo123@gmail.com
	Smt Ranju Ji Khater	Gwahati	9864044609	ranjukhater@gmail.com
	Smt Lata Ji Goyal	Kolkatta	9836306864	scgoyal6@gmail.com

President	Smt Suman Nahata	New Delhi	9818854120	sumannahata67@gmail.com
Vice President	Smt Neetu Patawari	New Delhi	9818098013	nj1974@hotmail.com
	Smt Madhu Derasariya	Surat	9427133069	madhujain312@gmail.com
	Smt Nitu Ostwal	Bhilwara	9461531077	ostwal.nitu11@gmail.com
Secretary	Smt Rachna Hiran	Mumbai	9821385587	rachnapritam@yahoo.co.in
Treasurer	Smt Mamta Ranka	Gangasaher	9414142924	mamtaranka002@gmail.com
Sanghatan Mantri	Smt Nidhi Sekhani	Surat	9879633133	nidhisekhani12@gmail.com
Sah Mantri	Dr.Vandana Bararia	Jaipur	9828729792	vandanakundalia@gmail.com
	Smt Madhu Kataria	Banglore	9980443204	madhukataria1981@gmail.com
	Smt Aditi Sekhani	Ahemdabad	9909024763	aditisekhani@gmail.com
	Smt Archana Bhandari	Noida	9810011500	archanabhandari000@gmail.com
	Smt Kanupriya Ranka	Indore	9826535454	kanuranka@gmail.com
Prachar Prasar Mantri	Smt Varsha Lunia	Ahemdabad	9909906385	varsha@luniaco.com
Sah Prachar Prasar Mantri	Smt Ritu Chopra	Jaipur	9871011401	ritu.aries1@gmail.com
	Smt Sushama Pincha	Sardarsaher	9351645710	sushama.pincha.1961@gmail.com
Kanya Mandal Sanyojika	Smt Hema Jain (CHORARIA)	Noida	9810281155	hemajain69@gmail.com
Kanya Mandal Sah Sanyojika	Smt Jayshree Jogad	Ichalkaranji	9028284801	ejayshreejain@gmail.com
IPP	Smt Sarita Daga	Jaipur	9413339841	sarita.daga21@gmail.com

◆ Working Committee Members ◆

Smt Pushpa Baid	Jaipur	9314194215	pushpabaid312@gmail.com
Smt Aarti Kathotia	Mumbai	9820496057	artikathotia@gmail.com
Smt Sunita Jain	New Delhi	9868516242	sunitajain0412@gmail.com
Smt Manju Bhutoria	New Delhi	9312173434	Manjubhutoria80@gmail.com

Smt Raman Patawari	Kolkatta	9903518222	raman.patawari@gmail.com
Smt Sarita Barlota	Raipur	8817338260	ritu.barlota.5@gmail.com
Smt Taruna Bohra	Mumbai	8976601717	tarunajain365@gmail.com
Smt Suman Bacchawat	Mumbai	9820272133	sumanbachhawat@gmail.com
Smt Veenaa Baaid	Banglore	9448063260	baidveena65@gmail.com
Smt Mala Katrela	Chennai	9841725560	malakatrela@gmail.com
Smt Shilpa Baid	New Delhi	9811331163	shilpabaid@yahoo.com
Smt Manisha Bothra	Islampur	8348822033	manishabothra1983@gmail.com
Smt Santosh Vedmutha	Hubli	9449801954	santoshvedmutha@gmail.com
Smt Julie Mehta	Mumbai	9833974517	juliejain1780@gmail.com
Smt Nirmala Chhajer	Jalgaon	9420611103	nirmala.chhajer@gmail.com
Smt Alka Baid	Jaipur	9352774011	alkabaid12@gmail.com
Smt Meena Ostwal	Balotra	7742843600	meenaabhayostwal@gmail.com
Smt Sangeeta Bafna	Kolkatta	9836060000	sangbafna@gmail.com
Smt CS Sonam Bagrecha	Kolkatta	9007911111	Cssonambagrecha@gmail.com
Smt Neetu Gujrani	Sirsa	9129125019	neetu.golcha@gmail.com
Smt Deepa Parakh	Chennai	9790730303	deepaparakh@gmail.com
Smt Lalita Baid	Faridabad	9911448039	baidlalitaco@gmail.com
Smt Anupama Nahata	Kolkatta	9836167848	anahata98@gmail.com
Smt Shalini Lunkar	Salem	9025235772	shalinilunkad77@gmail.com
Smt Kusum Dugarr	Kota	7014166119	kusumdugarr@gmail.com
Smt Sajjan Parakh	Siliguri	9233423522	parakh.sajjan@gmail.com
Smt Chand Chhajer	Ahemdabad	9327549313	chandachhajer@gmail.com
Smt Usha Sisodia	Bhilwara	9414974538	ushasisodia98@gmail.com
Smt Sushila Pugalia	Kolkatta	8617203712	sushilapugulia@gmail.com
Smt Komal Bothra	Dehradun	8650002201	talk2komalbothra@gmail.com
Smt Shilpa Surana	Hyderabad	8886026364	suranashilpa02@gmail.com

Smt Sadhna Shamshkha	Ludhiyana	9023304863	sadhnasamsukha82@gmail.com
Smt Sonika Parekh	Bangaigaon	6002068697	sonikaparakhyukti@gmail.com
Smt Khamosh Meher	Mysore	9845522288	nehajn1980@gmail.com
Smt Pushpa Baid	Patna	9934317221	baid.pushpa 2110@gmail.com
Smt Supriya Rakhecha	Gangashahar	9251222863	supriyarakhecha@gmail.com
Smt Rachna Hiran (D)	Dungari	9909409783	rachana.shah.2005@gmail.com
Smt Neetu Kothari	Rourkela	6370756533	neetukothari12321@gmail.com
Smt Ritu Gadhiya	Jaipur	9829265097	Ritugadhaiya@gmail.com
Smt Samriddhi Bokadiya	Mumbai	9029055220	samridhibokaria@gmail.com
Smt Priti Goshal	New Delhi	8800446397	jainpriti555@gmail.com
Smt Rubi Bapna	Gurugram	9910491115	R.bapna18@gmail.com
Smt Sangita Samsukha	Gangasaher	9339111881	sangeetasamsukha@gmail.com
Smt Sunita Dungarwal	New Delhi	9311160781	sunitajain60781@gmail.com
Smt Ruchika Patawari	Banglore	9743206621	ruchikapatawari.2015@gmail.com
Smt Ritu Chordia	Raipur	8966002600	ritusrccl@gmail.com
Smt Shreya Bapna	Udhana	9376667761	shreyabafna118@gmail.com
Smt Rekha Siyal	Mumbai	9833921332	Rekhasiyal1981@gmail.com
Smt Sanskriti Jain	Bhiwani	9560782710	jainsans13@gmail.com
Smt Rashmi Begwani	Kathmandu	977-9851087055	rashmibegwani75@gmail.com
Smt Rajul Manot	New Delhi	8800875707	nrajulmanot.rm@gmail.com
Smt Sushma Bengani	Kolkatta	6293223357	sushmabengani1@gmail.com
Smt Vinita Bengani	Pali	9928695035	vinitabegani@gmail.com
Smt Mitali Jain	Udaipur	9782823483	Loveforever1976@gmail.com
Smt Sarika Giriya	Banglore	9880244567	Sarikagiria@gmail.com
Smt Samta Bhutoria	New Delhi	9350959147	samtarajivjain@gmail.com
Smt Kusum Bengani	New Delhi	8010139367	kusumbengani233@gmail.com
Smt Vinita Bermecha	Kolkatta	9874491034	Vinitabarmecha@gmail.com

Smt Sanskriti Bhandari	Gurugram	8851621592	sanskritib4@gmail.com
Smt Rakhi Baid	Surat	9824299955	rakhirajeshbaid@gmail.com
Smt Chandana Bardia	Gurugram	9810445881	chandana.bardia@gmail.com
Smt Sunita Gujrani	Gwahati	9435198886	sunitagujrani07@gmail.com
Smt Sangeeta Bafna	Palghar	9029496348	sangibafna@gmail.com
Smt Poornima Gadiya	Surat	9909040707	gadiyapurnima@gmail.com
Smt Anita Bardia	Tirupur	9500464089	jainanita5565@gmail.com
Smt Deepika Bothra	Bikaner	9351321988	deepikabothra@yahoo.com
Smt Anita Surana	Chennai	9962126677	anitavjsurana@gmail.com
Smt Ritu Dhoka	Rajnager	9799071123	77ritudhoka03@gmail.com
Smt Nutan Lodha	Mumbai	9869371153	nutanlodha89@gmail.com

Special Invitees

Smt Saroj Sipani	New Delhi	9910077112	sarojsipani66@gmail.com
Smt Meena Badala	Mumbai	9320953145	Meenabadala8@gmail.com
Smt Madhu Pugalia	Nagpur	9021452227	madhupugalia12345@gmail.com
Smt Mahima Chordiya	Udhana	8866903141	mahimajain54321@gmail.com
Smt Bindu Bhansali	Surat	9898533078	bindubhansali37@gmail.com
Smt Vandana Jain	Patiala	9988111101	vandanajain1976@gmail.com
Smt Vijaya Jindal	Hisar	9992013011	vijindal2011@gmail.com
Smt Amita Nahata	Kathmandu	977984-1206202	amitanahata@gmail.com
Smt Kusum Surana	Siliguri	9832531094	kusumsurana.ks@gmail.com
Smt Suman Nahata (L)	Ladnun	9314206965	mm@gmail.com
Smt Shanti Baid	Bangaigaon	9435120852	shantijainbaid@gmail.com
Smt Manali Choraria	Bhilwara	8824181054	manalidangi@gmail.com
Smt Amita Mehta	Bhuj	9687615219	amitamehta0305@gmail.com
Smt Shikha Bothra	Guwahati	9706044200	bothrashikha27@gmail.com
Smt Neetu Baid	Ahemdabad	9924180371	nvjain@gmail.com

भावना सेवा

अ.भा.ते.म.मं. द्वारा रास्ते की सेवा का उपक्रम 13-11-2025 से पुनः प्रारंभ हो रहा है।

पूज्य प्रवर आचार्य श्री महाश्रमण जी के शुभ आशीर्वाद और वात्सल्य की मूरत साध्वी प्रमुखा श्री विश्रुतविभा जी की कृपा से हमें कर्म निर्जरा के इस उपक्रम में जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

अतः सभी शाखा मंडल की बहनों से विनम्र अनुरोध है कि इस सेवा के महायज्ञ में सक्रिय रूप से भाग लें और गुरु सन्निधि का लाभ उठाएँ।

प्रत्येक शाखा मंडल से 5-5 बहनों का समूह आकर 7 दिन सेवा प्रदान करें। यह सेवा 13 नवंबर 2025, रामगढ़ (गुजरात) से प्रारंभ की जाएगी। सभी शाखा मंडल शीघ्रता से अपने नाम संयोजिका को लिखवा दे।

संयोजिकाः
श्रीमती चांद छाजेड़
(9327549313)

सह-संयोजिकाः
श्रीमती रुबी बापना
(9910491115)

श्रीमती साधना सामसुखा
(9023304863)

SKILL UP: Craft to Career

Skill Up:
Craft to Career

जहाँ हौसलों को मिले नया आसमान,
और कला से सजे हर नारी का स्वाभिमान,
'Skill Up' की शुरुआत – एक नई उड़ान,
हर हाथ में हुनर, हर आँख में अरमान!

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल प्रस्तुत करती है "Skill Up: Craft to Career" एक पथयात्रा हुनर से कैरियर तक

उद्देश्यः

आने वाले कल को कला और कौशल से संवारना

पहले चरण का मुख्य विषयः

लेखन कला (Writing Skills)

अवधि: 3 माह का कैप्सूल कोर्स

कब: हर महीने के दो रविवार

समय: 3:00 PM - 4:00 PM

कहाँ: Zoom प्लेटफार्म पर

मुख्य आकर्षणः

हर माह, अलग-अलग प्रोफेशनल सेलिब्रिटी व विशेषज्ञों से सीखने का अनोखा अवसर प्रेरणा, अनुभव, मार्गदर्शन से मिलेगी आपके आत्मविश्वास को एक नयी ऊँचाई। तो आइए, इस नई यात्रा की सहयात्री बनें और साथ मिलकर कहें "Skill Up: Craft to Career".

संयोजिकाः
रेखा सिंयाल
(9833921332)

Spiritual Enhancement Programme (SEP)

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा एक आधुनिक और आध्यात्मिक ऑनलाइन पाठ्यक्रम – Spiritual Enhancement Programe (SEP) तैयार किया गया है, जिसके अध्ययन से जैन धर्म को समझने और समझाने में सुगमता हो सकती है। यह एक App based पाठ्यक्रम है, जिसमे 6 प्री रिकॉर्डेड लेक्चर है और हर मॉड्यूल के बाद ऑनलाइन परीक्षा होती है, परीक्षा पास करने पर जैन विश्व भारती संस्थान द्वारा सर्टिफिकेट दिया जाता है।

अखिल भारतीय महिला मंडल द्वारा संचालित एवं जैन विश्व भारती द्वारा प्रमाणित यह कोर्स न केवल ज्ञानवर्धक है, बल्कि प्रमाणपत्र के रूप में आध्यात्मिक उपलब्धि का एक सुंदर प्रतीक भी है। आपके क्षेत्र की प्रत्येक कन्या एवं युवती बहनों को इस कोर्स से जुड़ने की प्रेरणा दें, अन्य कोई भी करना चाहे तो किसी के लिए मनाही नहीं है, अपने क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने का प्रयास करें। अधिक समभागियों को जोड़ने वाले क्षेत्रों को निश्चित रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। इस माह 150 समभागियों ने फॉर्म भरें हैं, सभी को साधुवाद एवं शुभकामना।

यह केवल एक कोर्स नहीं, बल्कि आत्मविकास और आंतरिक शांति की ओर एक आध्यात्मिक यात्रा है।

राष्ट्रीय संयोजिका (SEP)
श्रीमती नीलम सेठिया
(9952426060)

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना

जैन स्कोलरः

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के तहत जैन स्कोलर पाठ्यक्रम का दूसरा सत्र दिनांक 26 अक्टूबर से 2 नवंबर तक लाडनूं में गतिमान है। इस बार का सत्र हमारी कार्यसमिती सदस्य श्रीमती प्रिती घोषल के गेस्ट हाउस में आयोजित हो रहा है। 40 स्कोलर्स इस सत्र में भाग ले रहे हैं। 26 और 27 अक्टूबर को परीक्षा हुई। उसके बाद प्राकृत संस्कृत, कर्म ग्रंथ, और ज्ञान मीमांसा का नियमित अध्ययन चल रहा है।

सभी स्कोलर्स एवं प्रशिक्षकों के प्रति आध्यात्मिक मंगल कामना।

निर्देशक	सह-निर्देशक	संयोजिका
मंजु नाहटा (877-76 29306)	कनक बरमेचा (9998072984)	सुमन नाहटा (ला) - 9314206965 सुनिता डूंगरवाल - 9311160781

तेरापंथ प्रचेता / तत्त्वज्ञान प्रचेता परीक्षाः

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के अन्तर्गत संचालित आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के तत्वावधान में वर्ष 2025 की तेरापंथ प्रचेता/तत्त्वज्ञान प्रचेता पाठ्यक्रम की परीक्षा दिनांक 17 तथा 20 दिसंबर 2025 को आयोजित की जायेगी। परीक्षा का समय दोपहर 1 से 4 बजे का रहेगा।

- इस वर्ष 107- क्षेत्रों से 1275 परीक्षार्थियों ने परीक्षा फार्म भरें हैं।
- अपने क्षेत्र में विराजित परीक्षार्थी चारित्रात्माओं के नाम, वर्ष और विषय की सूचना शीध्र भेज दे।
- तेरापंथ दर्शन में तृतीय तथा चतुर्थ वर्ष के पाठ्यक्रम में परिवर्तन किया गया है - तृतीय वर्ष में पुस्तक "आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली" के स्थान पर "तेरापंथ की 9 साध्वीप्रमुखा" (लेखक शासनगौरव साध्वी श्री कल्पलता जी) की प्रथम छह साध्वीप्रमुखा (महासती सरदारां से महासती झमकू जी) का जीवन चरित्र लागू किया गया है। चतुर्थ वर्ष में "महासती सरदारां" पुस्तक के स्थान पर "तेरापंथ की 9 साध्वीप्रमुखा" की अन्तिम तीन साध्वीप्रमुखा (महासती लाडां जी से साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभा) का जीवन चरित्र लागू किया गया है।
- प्रशिक्षण हेतु WhatsApp ग्रुप संचालित किए जा रहे हैं अधिक से अधिक परीक्षार्थी इसका लाभ लें सकते हैं।
- पाठ्य पुस्तकें अहमदाबाद (कोबा) में आचार्य महाश्रमण प्रवास स्थल पर जैन विश्व भारती के आदर्श साहित्य स्टाल पर उपलब्ध है तथा लाडनूं में अ.भा.ते.म.मं. के रोहिणी कार्यालय में कार्यालय प्रभारी सुनील कुमार से 7733888138 पर संपर्क करें।
- अन्य परीक्षा सम्बन्धी जानकारी के लिए श्रीमती कुसुम बैंगानी से संपर्क करें।

निर्देशक : पुष्पा बैंगाणी - 9311250290

संयोजिका - कुसुम बैंगाणी - 8010139367

प्रेरक प्रसंग

◆ नेता कौन ? ◆

एक बार नक्षत्र मंडल में नेता के चुनाव की चर्चा जोरों से चली। लेकिन प्रश्न था कि पूरे नक्षत्र मंडल का नेता कौन हो सकता है ? उम्मीदवार दो थे सूर्य और चन्द्रमा। चुनाव की तिथी एवं स्थान निश्चित कर दिये गये। दोनों उम्मीदवार अपने - अपने प्रचार में लग गये।

सूर्य ने प्रचार करते हुए भाषण दिया - ग्रह, नक्षत्र, तारा मण्डल के निवासियों कल नेता का चुनाव है। तुम्हें हम दोनों में से किसी एक को चुनना है। मेरे तेज से तुम परिचित हो मैं रक्षा कर सकता हूँ तो भस्म भी कर सकता हूं मेरा आदेश है कि तुम मेरे ही पक्ष में वोट दो।

चन्द्रमा ने भी भाषण दिया - ज्योतिष - मंडल के साथियों ! कल नेता का चुनाव होने वाला है मुझे विश्वास है आप मुझे सेवा का अवसर देगें मैं वायदा करता हूँ कि अगर मैं नेता बना तो आप सबको अपने साथ चमकने का अवसर दूँगा। मैं सूर्य की तरह अकेला रहने का आदि नहीं। मैंने सेवा का व्रत लिया है नेता चुनोगे तब भी करूँगा, नहीं चुनोगे तब भी करुंगा। परंतु नेता का चुनाव समझदारी से करना।

दूसरे दिन परिणाम चन्द्रमा के पक्ष में आता है। कहा जाता है तब से ही सूर्य जब धरती पर आता है तो अकेला आता है। जबकि चन्द्रमा जब भी आता है। पूरे परिवार के साथ आता है।

बोध- नेता वही होता है जो सबको साथ लेकर चले। सबके साथ मैत्री का संबंध हो। प्रमोद भावना का विस्तार हो।

◆ तेरापंथ की विलक्षण श्राविका ◆

तेरापंथ इतिहास की प्रेरक श्राविकाओं में चन्दूबाई आमेट का नाम श्रद्धा और आत्मबल की मिसाल है। धार्मिक परिवार में जन्मी और पली–बढ़ी चन्दूबाई ने जीवन को धर्ममय दिशा दी। स्वामी भीखणजी द्वारा प्रतिपादित तत्वज्ञान को जब उन्होंने हृदय से स्वीकार किया, तब उनके भीतर भक्ति का ऐसा दीप जला जो जीवनभर अटल रहा।

धर्म और व्यवहार दोनों क्षेत्रों में वे अग्रणी थीं। घर की मुखिया होते हुए भी उनके भीतर नम्रता और निष्कपटता का अनोखा संगम था। उनका प्रभाव इतना था कि परिवार और समाज, दोनों ही उनके निर्णयों को मान देते थे।

एक बार टालोकर मुनि चन्द्रभाणजी ने उनकी भक्ति की परीक्षा लेनी चाही। उन्होंने कहा, "चन्दूबाई ! तुम तो स्वामीजी की बड़ी भक्त बनती फिरती हो, पर वे तो कहते हैं चंदू कृपण है।"

चन्दूबाई शांत मुस्कान के साथ बोलीं, "स्वामीजी मेरे गुरु हैं, मेरे दोष बताने का उन्हें पूरा अधिकार है। वे यदि मुझे सुधारने के लिए ऐसा कहें, तो वह भी कृपा ही है। लेकिन आप कौन होते हैं मेरे और मेरे गुरु के बीच आने वाले ?"

उनकी यह निर्भीक वाणी सुनकर मुनि मौन रह गए। श्रद्धा की वह ज्योति जिसे कोई तर्क या आलोचना नहीं डिगा सकी, आज भी हर तेरापंथी नारी के लिए प्रेरणा का स्तंभ है।

◆ श्रावक संदेशिका ◆

पदः

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री, सह मंत्री, कोषाध्यक्ष, सह कोषाध्यक्ष, संगठन मंत्री तथा प्रचार मंत्री- ये व इनके समक्ष संयुक्त मंत्री, आदि।

संघीय संस्थाओं के प्रमुख न्यासी, प्रबंध न्यासी, संयुक्त प्रबंध न्यासी और निर्वाचित ट्रस्टी।

निम्नांकित दर्जे पद नही हैं- संरक्षक, परामर्शक, निवर्तमान अध्यक्ष, पंचमंडल सदस्य, कार्यसमिति सदस्य, समितियों और उपसमितियों के संयोजक, प्रभारी, अनुदान से बने ट्रस्टी, केंद्रीय संस्थाओं के अधीनस्त न्यासों में पदेन सदस्य।

पद व्यवस्था निर्देशः

जो व्यक्ति किसी भी एक संघीय (केंद्रीय या स्थानीय) संस्था में पदाधिकारी है, वह सामान्यतया अन्य किसी भी संघीय संस्था में पदाधिकारी नहीं रहें। यदि किसी व्यक्ति की संघीय संस्थाओं में एकाधिक पदों की स्थिति बन जाए तो तीन महीनों के भीतर भीतर किसी भी एक पद से उसे मुक्त होना होगा।

एक व्यक्ति दो से अधिक संघीय संस्थाओं में कार्य समिति सदस्य न रहें। यदि कोई किसी एक संघीय (केंद्रीय या स्थानीय) संस्था में पदाधिकारी है तो वह अन्य किसी भी एक और संघीय संस्था का कार्यसमिति सदस्य बने रहे तो आपत्ति नहीं।

संस्था संविधानः

संस्था गठनः किसी भी ग्राम अथवा नगर में जहाँ 13 या 13 से अधिक तेरापंथी महिलाऐं हो वहां तेरापंथी महिलाओं की स्थानीय संस्था तेरापंथ महिला मंडल के नाम से स्थापित की जा सकती है। वहां की तेरापंथी महिलाऐं, मंडल की, नियमानुसार सदस्य बन सकेगी।

संस्थागत सामन्य दिशा निर्देशः

शाखा मंडल का गठन, अ.भा.ते.म.मं. की लिखित स्वीकृति के बिना नहीं किया जाए। शाखा मंडल स्थानीय नियमानुसार ट्रस्ट एक्ट या सोसायटी एक्ट में पंजीकृत अवश्य करवाएं। शाखा मंडल अपनी स्थानीय संपत्ति के मूल कागजात, महत्वपूर्ण दस्तावेज एवं अ.भा.ते.म.मं. द्वारा निर्देशित रजिस्टर व्यवस्थित बनाए रखें। संस्था के संविधान, श्रावक संदेशिका एवं अ.भा.ते.म.मं. के निर्देशों की सम्यक जानकारी रखे एवं उनकी अनुपालना पूर्ण जागरुकता पूर्वक करें। नीति, नियम का किसी प्रकार का अतिक्रमण न हो इसका विशेष ध्यान रखे।

संविधान संबंधित जानकारी हेतू संपर्क करें

★ श्रीमती सुनीता जैन- 9868516242 ★ श्रीमती मधु देरासरीया- 9427133069 ★ श्रीमती वीणा बैद- 9448063260 ★ श्रीमती नीलम सेठिया- 9952426060

ज्ञान चेतना
प्रश्नोत्तरी
नवंबर 2025

महिला मंडल QUIZ

सही उत्तर लिखें:

1) "ध्येय पूर्णता" अर्थात ?
2) हृदय की पवित्रता का आधार है:–
3) जीवन की मुक्ति का साधन क्या है ?
4) किस व्यक्ति का साध्य संसार नहीं ?
5) मनुष्य की अंतिम जिज्ञासा क्या है
6) जीवन की परंपरा किस प्रवृत्ति से बढ़ती है ?
7) सब जीवो को आत्मतुल्य समझो, किसने कहा ?
8) हिंसा करना और हिंसा को अहिंसा मानना ये कैसी भूल है ?
9) रागात्मक प्रवृत्ति और रागात्मक आचरण किसका पक्ष है ?
10) हिंसा को अनिष्ट जानते हुए, अहिंसा में विश्वास करते हुए भी उसका आचरण न कर पाना कौनसी क्षमता की कमी दर्शाता है ?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें:

1) अभ्युदय का साधन है .....।
2) .... व्यवहार से चलता है।
3) साध्य है .... की मुक्ति !
4) शक्ति राज्य संस्था का .... है।
5) जीवन काम्य है और ...... अकाम्य !
6) ए अनुकम्पा कीयां थकां, वर्ध ...... नों वसे।
7) हिंसा और ...... सर्वथा एक नहीं है।
8) आत्मत्व की दृष्टि से सब ...... समान है।
9) आचार्य भिक्षु की भाषा में संयम और धर्म ...... है।
10) अपरिग्रह, हृदय परिवर्तन और संयम का अनुमोदन ये ...... का साधन है।

संदर्भ: भिक्षु विचार दर्शन पृष्ठ संख्या 75-94
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

संयोजिका	सह संयोजिका
श्रीमती अर्चना भंडारी	श्रीमती मीना बडाला
9810011500	9320153145

Google Form Link:
https://forms.gle/tUBg4fXHsZc1krRW8

कन्या मंडल QUIZ

Crosswords:

दाएं से बाएं

3- शाह बल्लू जी का गौत्र क्या था ? (4)
5- सिंह के स्वप्न से जन्म लेने वाला क्या बनता है ? (2)
6- नंदी सूत्र में बताई गई चार प्रकार की बुद्धि में से भीखण जी में किस प्रकार की बुद्धि साकार हुई थी ? (4)
10- मारवाड़ के दक्षिणी सीमांत भाग का दूसरा नाम क्या था ? (2)
12- भीखण जी ने जब तक दीक्षा नहीं ली, तब तक मन ही मन कितने संकल्प किए ? (2)
13- तत्काल कविता रचना करने में भीखण जी के बुद्धि कौशल को कौन देखते रह गए ? (7)
14- भीखण जी ने साधना की परिपक्वता के लिए कौन सा तप प्रारम्भ किया ? (6)

ऊपर से नीचे

1- आचार्य भिक्षु का वास्तविक नाम क्या है ? (3)
2- तेरापंथ प्रबोध के सृजन में कितने दिन लगे ? (2)
3- पत्नी वियोग से भीखण जी को बारम्बार आगम की कौनसी वाणी मुखर हुई ? (11)
4- भीखण जी ने पगड़ी के नीचे क्या छुपाया था ? (5)
7- अधिदेवता का मतलब क्या है ? (5)
8- धम्म जागरण के उद्देश्य से और लोकरुचि को ध्यान में रखकर आचार्य श्री तुलसी ने किस रचना का निर्माण किया ? (7)
9- भीखण जी ने जब तक दीक्षा नही ली, तब तक कौन सा अविकल्प व्रत रखा ? (4)
11- तेरापंथ प्रबोध किस प्रकाशन द्वारा शीघ्र गति से चलाया गया ? (10)

संदर्भ: तेरापंथ प्रबोध, संपादकीय + पद्य 1-10
संयोजिका
श्रीमती मंजू भूतोडिया
9312173434

Google Form Link: https://forms.gle/7hEYhH4hqtVFPVE98

प्रश्नोत्तरी भरकर भेजने की अंतिम तिथि 25 नवंबर 2025 है।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्रदत्त अनुदान

समस्त अनुदानदाताओं का हार्दिक आभार

₹ 31,00,000/-
श्री कन्हैयालाल जी
सुशीला जी पटावरी
(दिल्ली)

₹ 25,00,000/-
श्री सुमतिचंद जी
सुमनश्री जी गोठी
(मुंबई)

₹ 21,00,000/-
श्री अरविंद जी
सरिता जी संचेती
(अहमदाबाद)

₹ 15,00,000/-
श्री जगतसिंह जी नवीन जी बैंगाणी
हाथीमल जशकरण बैंगाणी
जनसेवा ट्रस्ट (कोलकाता)

₹ 15,00,000/-
श्री विमल जी
मधु जी कटारिया
(बैंगलरु)

₹ 15,00,000/-
श्री मनोज जी
रंजू जी लूणीया
(शिलॉन्ग)

₹ 1,25,000/-
पश्चिम दिल्ली महिला मंडल
भावना सेवा हेतु

पंजीकृत कार्यालयः रोहिणी, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राज.) 341306

नारीलोक

महामंत्री कार्यालय
Rachna Hiran
604 Thakur Jewel,
Near HDFC Bank,
Thakur Village, Kandivali East,
Mumbai - 400101
Mob.: 9821385587
Email: rachnapritam@yahoo.co.in

नारीलोक प्राप्ति हेतु संपर्क सूत्र
Nutan Lodha
Mob.: 9869371153

कोषाध्यक्ष
Mamta Ranka
Indra Chowk New Line,
Gangashahar,
Bikaner- 334401
Mob.: 9414142924
Email: mamtaranka002@gmil.com

www.facebook.com/abtmmjain/

www.abtm.org

www.youtube.com/channel/UCMnsuMEyhhQWvDbnrfwpdEQ